O75NH4F

संकलित परीक्षा - II (2016-17)

हिन्दी 'अ'

कक्षा -X

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 90**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ।**

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड-क (अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

(1x5=5)

पेड़ों पर मुस्कुराते फूल देखकर हमें कितनी खुशी मिलती है। शायद पेड़ भी कम प्रफुल्लित नहीं होते। खुशी के मौके पर हम अपने परिजनों को निमन्त्रित करते हैं। उसी प्रकार फूलों की बहार छाने पर गाछ - बिरछ भी अपने बन्धु - बान्धवों को बुलाते है। स्नेहसिक्त वाणी में पुकार सकते हैं , ' कहाँ हो मेरे बन्धु , मेरे बान्धव , आज मेरे घर आओ। यदि रास्ता भटक जाओ , कहीं घर ढूँढ न पाओ, इसलिए रंग - बिरंगें फूलों के निशान लगा रखे हैं। ये रंगीन पँखुड़ियाँ दूर से देख सकोगे।' मधुमक्खी व तितली के साथ बिरछ की चिरकाल की घनिष्ठता है । वे दल - बल सहित फूल देखने आती हैं। कुछ पतंगे दिन के समय पक्षियों के डर से बाहर नहीं निकल सकते। पक्षी उन्हें देखते ही खा जाते हैं, इसलिए रात का अँधेरा घिर आने तक वे छिपे रहते हैं। शाम होते ही उन्हें बुलाने की खातिर फूल चारों तरफ सुगन्ध ही सुगन्ध बिखेर देते हैं।

(क) वृक्ष अपने बन्धु-बान्धवों को कैसे बुलाते हैं?

(i) पत्तों की सरसराहट से (ii) हवा में झोंके खाकर

(iii) आज मेरे घर आओ (iv) हवा में भी स्थिर होकर

(ख) पेड़ - पौधों की घनिष्ठता किसके साथ होती है ?

(i) माली के साथ (ii) स्वामी के साथ

(iii) मधुमक्खी व तितली के साथ (iv) पक्षियों के साथ

(ग) पतंगे रात को बाहर क्यों आते हैं?

(i) दिन में पौधों को ढूँढ नहीं पाते

(ii) वे रास्ता भटक जाते हैं

(iii) वे सूर्य की किरणों से डरते हैं

(iv) पक्षियों के डर से दिन में छिपे रहते हैं

(घ) पतंगों को आकर्षित करने के लिए फूल क्या करते हैं?

(i) शाम होते ही मुरझा जाते हैं

(ii) रात को छिपकर उनकी राह देखते हैं

(iii) मस्ती से झूमते हैं

(iv) चारों तरफ सुगन्ध फैला देते हैं

(ङ) वृक्ष का पर्यायवाची शब्द है –

(i) नग (ii) डाल

(iii) तरुण (iv) द्रुम

2 **गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए : (1x5=5)** 5

मनुष्य यदि, प्रत्येक कार्य विचारपूर्वक करे तो उसको पीछे पश्चाताप नहीं करना पड़ता। इसलिये हम जो कुछ करें, उसके विषय में पहले विचार करना चाहिये। सबका अलग-अलग कर्तव्य होता है। कोई कुछ करता है तो कोई कुछ करता है। परन्तु यहाँ हम उस खास काम की चर्चा करते हैं, जिसे सबको करना ही पड़ेगा अर्थात् सबको एक-न-एक दिन शरीर छोड़कर यहाँ से जाना ही पड़ेगा। बालक जन्मता है तो वह बड़ा होगा कि नहीं होगा, पढ़ेगा कि नहीं पढ़ेगा, विवाह करेगा कि नहो करेगा, व्यापार आदि करेगा कि नहीं करेगा, उसकी सन्तान होगी कि नहीं होगी, वह धनी बनेगा कि नहीं बेनेगा आदि सब बातों में सन्देह रहता है, पर वह मरेगा कि नहीं मरेगा-इस बात में कोई सन्देह नहीं रहता अर्थात् वह मरेगा ही।

(i) इस गद्यांश में मुख्यत: किसकी चर्चा की गयी है?

(क) कर्म की। (ख) मृत्यु की अनिवार्यता की।

(ग) बालक की। (घ) विचारपूर्वक कर्म की।

(ii) मनुष्य को पश्चाताप तब नहीं करना पड़ता जब वह :

(क) विचारपूर्वक कार्य करता है।

(ख) पश्चाताप करता है।

(ग) शरीर छोड़कर जाता है।

(घ) विवाह करके आनंद मनाता है।

(iii) 'प्रत्येक' शब्द में उपसर्ग एवं मूल शब्द हैं :

(क) प्र + त्येक (ख) प्रति + ऐका

(ग) प्रति + एक (घ) प्रात् + एक

(iv) जीवन में किसके बारे में सन्देह नहीं होता?

(क) जन्म के। (ख) मृत्यु के।

(ग) विवाह के। (घ) व्यापार के।

(v) किस विषय में भावी विचार करने की भारी आवश्यकता है?

(क) पढ़ाई कब करनी है? (ख) भोजन कब करना है?

(ग) जीवन में क्या बनना है? (घ) मरने के बाद क्या गति होगी?

3 **निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गये प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर सही उत्तर दीजिए-** 5

(5x1=5)

अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफरत अधिक ,प्यार है कम ।
हम जब होंगे बड़े घृणा का, नाम मिटाकर लेंगे दम।
हिंसा के विषमय प्रवाह में, कब तक और बहेगा देश।
हम जब होंगे बड़े देखना, नहीं रहेगा यह परिवेश !
भ्रष्टाचार जमाखोरी की आदत बहुत पुरानी है ,

	ये कुरीतियाँ मिटा – हमें तो नयी चेतना लानी है। एक घरौंदे जैसा आखिर कितना और ढहेगा देश । हम जब होंगे बड़े देखना, ऐसा नहीं रहेगा देश । इसकी बागडोर हाथों में, जरा हमारे आने दो , थोड़ा सा बस पाँव हमारा, जीवन में टिक जाने दो । हम खाते हैं शपथ, दुर्दशा कोई नहीं सहेगा देश , घोर अभावों की ज्वाला में, कल से नहीं दहेगा देश। **(क) आज देश की स्थिति है –** (i) स्वार्थ, भ्रष्टाचार तथा हिंसा से पूर्ण। (ii) कायरतापूर्ण। (iii) सकारात्मक। (iv) घरौंदे जैसी। **(ख) नयी चेतना कब आएगी ?** (i) जग जाने पर। (ii) कुरीतियाँ दूर होने पर। (iii) शपथ लेने पर। (iv) उड़ने पर। **(ग) ''अभावों में नहीं जलने'' का अर्थ है?** (i) आग बुझ जाना। (ii) लपट नहीं उठना। (iii) देशवासियों की समस्या समाप्त होना। (iv) हमारी इच्छाएँ नष्ट होना। **(घ) कवि विश्वास दिलाना चाहता है कि –** (i) अराजकता बढ़ेगी। (ii) अपराध बढ़ेंगे। (iii) सकारात्मक विकास होगा। (iv) बन्धन बढ़ेंगे। **(ङ) हम शपथ खाते हैं कि–** (i) किसी को कष्ट नहीं होगा। (ii) कोई गरीब नहीं होगा। (iii) कोई भी भूखा नहीं रहेगा। (iv) कोई देश दुर्दशा नहीं सहेगा।	
4	**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए प्रश्नों के सही उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए ।** **(5x1=5)** जीवन दीप जले। इसी सत्य पर रामचंद्र ने राजपाट सब त्याग दिया, छोड़ अवध माया की नगरी, कानन को प्रस्थान किया, स्वयं कंटकों को चूमा औरों के कंटक दूर किए, जन्म सफल है उस मानव का जो परहित ही सदा जिए, तृषितों को सुरसरि देने जो हिमगिरि सा चुपचाप गले, जीवन दीप जले।। रसिक शिरोमणि कृष्णचंद्र ने वृंदावन को बिसराया,	5

छोड़ बिलखते ग्वाल बाल वह निर्मोही भी कहलाया,
गीता की हर पंक्ति – पंक्ति में अर्जुन को वे समझाते,
आगे बढ़ नरसिंह जगत के झूठे सब रिश्ते – नाते,
अति विस्तृत कर्तव्य मार्ग है हर मानव इस ओर चले,
जीवन दीप जले।।
वीर प्रताप, शिवा, वैरागी सबके हैं संदेश यही,
मातृभूमि हित जो मरता है माँ का सच्चा पूत वही,
वही सुमन सुरभित हो खिलते जो काँटों के बीच पले
जीवन दीप जले।।

(i) कृष्णचन्द्र को निर्मोही कहा गया क्योंकि
(क) वे वृन्दावन में विचरण करते थे।
(ख) वे ग्वाल-बालों को विलखते छोड़ गये थे।
(ग) वे अर्जुन को उपदेश देते थे।
(घ) वे सुदर्शन चक्र धारण करते थे।

(ii) रामचंद्र के जीवन के बारे में कहा गया है कि उन्होंने-
(क) स्वयं कष्ट सहकर दूसरों का हित किया था।
(ख) पिता की आज्ञा का पालन किया था।
(ग) जान – बूझकर जीवन में कष्ट सहे थे।
(घ) सत्य का आचरण किया था।

(iii) कृष्ण ने अर्जुन को यह संदेश दिया था कि,
(क) रिश्ते – नातों का महत्त्व नहीं है। (ख) कर्तव्य पथ पर अडिग रहो।
(ग) आत्मतत्व को पहचानो। (घ) मानवता को प्यार करो।

(iv) काव्यांश में सच्चा सपूत उसे कहा गया है जो,
(क) सदा सत्य पथ पर चले। (ख) सद्गुणों से युक्त हो।
(ग) मातृभूमि के लिए मर मिटे। (घ) कष्टों के बीच पलता हो।

(v) इस कविता का संदेश है –
(क) परोपकार ही जीवन का लक्ष्य है।
(ख) मानव को कर्तव्य का बोध कराना।
(ग) मातृभूमि के लिए प्राण तक न्योछावर करदेना।
(घ) सन्मार्ग बतलाना।

खण्ड-ख (व्यावहारिक व्याकरण)

5 निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए – 3

(i) पुत्र से मिलकर रेणुका रो पड़ी। (मिश्र वाक्य)
(ii) मीनू के समझाने पर साहिल समझ गया। (संयुक्त वाक्य)
(iii) मैनेजर ने रामलालजी के लिए कॉफी मँगवाई। (मिश्र वाक्य)

6 निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए- 4

	(i) लड़कियों द्वारा पत्र लिखा जाता है। (कर्तृवाच्य) (ii) नेताजी भाषण दे रहे हैं। (कर्मवाच्य) (iii) कहारों द्वारा डोली उठाई गई। (कर्तृवाच्य) (iv) मैं गरमी में सो नहीं सकता। (भाववाच्य)	
7	निम्नांकित वाक्यों के रेखांकित पदों का व्याकरणिक परिचय दीजिए- (i) रमेश बाग में खेलता है। (ii) आज तुम सुबह से गप कर रहे हो। (iii) जाकर कमरे में सो जाओ। (iv) मै लिख - पढ़ सकता हूँ।	4
8	(क) निम्नलिखित पंक्ति में रस बताइए। रानी विधवा हुई, हाय विधि को भी दया नहीं आई (ख) ''नकली व्यूह युद्ध की रचना और खेलना खूब शिकार सैन्य घेरना दुर्ग तोड़ना ये थे उसके प्रिय खिलवार'' पंक्तियों में कौन-सा रस है? (ग) 'अद्भुत रस' का स्थायी भाव क्या है? (घ) 'अब प्रभु कृपा करहु एहि भांती, सब तजि भजन करहुँ दिन राती' में कौन सा रस है?	4
	खण्ड-ग (पाठ्य-पुस्तक)	
9	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए -(2+2+1)** बिस्मिल्ला खाँ और शहनाई के साथ जिस एक मुस्लिम पर्व का नाम जुड़ा हुआ है , वह मुहर्रम है । मुहर्रम का महीना वह होता है जिसमें शिया मुसलमान हज़रत इमाम हुसैन एवं उनके कुछ वंशजों के प्रति अज़ादारी (शोक मनाना) मनाते हैं। पूरे दस दिनों का शोक। वे बताते हैं कि उनके खानदान का कोई व्यक्ति मुहर्रम के दिनों में न तो शहनाई बजाता है, न ही किसी संगीत के कार्यक्रम में शिरकत ही करता है । आठवीं तारीख उनके लिए खास महत्त्व की है। इस दिन खाँ साहब खड़े होकर शहनाई बजाते हैं व दालमंडी में फातमान के करीब आठ किलोमीटर की दूरी तक पैदल रोते हुए , नौहा बजाते जाते हैं। इस दिन कोई राग नहीं बजता। राग - रागिनियों की अदायगी का निषेध है इस दिन। उनकी आँखें इमाम हुसैन और उनके परिवार के लोगों की शहादत में नम रहती हैं। अज़ादारी होती है। हज़ारों आँखें नम । हज़ार बरस की परंपरा पुनर्जीवित। मुहर्रम संपन्न होता है। एक बड़े कलाकर का सहज मानवीय रूप ऐसे अवसर पर आसानी से दिख जाता है। (1) मुहर्रम के अवसर पर बिस्मिल्ला खाँ कैसे शोक मनाते थे? (2) मुहर्रम का आठवाँ दिन खाँ साहब के लिए खास महत्त्व का क्यों था? (3) मुहर्रम का महीना मुस्लिम लोगों के लिए किसका प्रतीक है?	5
	निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-	
10a	' पड़ोस कल्चर' छूट जाने से आज की पीढ़ी को क्या हानि हुई है ? - 'एक कहानी यह भी' पाठ में लिखित इस कथन को तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।	2
10b	महावीर प्रसाद द्विवेदी परम्परावादी न होकर एक प्रगतिशील और समयानुकूल सोच वाले व्यक्ति हैं पाठ के आधार पर दो तर्क देकर पुष्टि कीजिए।	2
10c	लेखक ने सभ्यता और संस्कृति के अन्तर को लेखक ने किन उदाहरणों द्वारा स्पष्ट किया है ?	2
10d	लेखिका मन्नू भंडारी के गुणों की पहचान के पश्चात् उनके पिता जी राजनीतिक बहस के समय वहाँ बैठने को और क्यों	2

		कहते थे? बताइए।	
	10e	लेखक महावीर प्रसाद द्विवेदी जी ने स्त्रीशिक्षा से जुड़े आलोचकों को क्या सुझाव दिए हैं? बताइए।	2
	11	लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा। तुम्हहि अछत को बरनै पारा।। अपने मुहु तुम्ह आपनि करनी। बार अनेक भाँति बहु बरनी।। नहि संतोषु त पुनि कछु कहहू। जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू।। बीरब्रती तुम्ह धीर अछोभा। गारो देत न पावहु सोभा।। सूर समर करनी करहिं कहि न जनावहिं आपु। बिद्यमान रन पाइ रिपु कायर कथहिं प्रतापु।। (1) लक्ष्मण ने शूरवीर की क्या विशेषता बताई है? (2) लक्ष्मण ने परशुराम से क्या करने को कहा जिससे उन्हें दु:सह दुख सहन न करना पड़े? (3) कायर कौन होता है?	5
		निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-	
	12a	'जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन' से कवि का क्या तात्पर्य है? 'छाया मत छूना' कविता के आधार पर बताइए।	2
	12b	आग, पानी और शाब्दिक भ्रम से कवि का क्या आशय है? 'कन्यादान' के आधार पर लिखिए।	2
	12c	'संगतकार' कविता में 'नौसिखिया' से क्या अभिप्राय है? उसका गला कब रुँध जाता है?	2
	12d	'छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी' का भाव 'छाया मत छूना' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।	2
	12e	कवि किसे संगतकार की विफलता नहीं मानता है, तथा क्यों?	2
	13	''एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा'' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर अपने विचार लिखिए इसके अतिरिक्त कोई अन्य शीर्षक सुझाइये।	5
		खण्ड-घ (लेखन)	
		दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए।	
	14	**भारत की वर्तमान समस्याएँ :** ● भीषण जनसंख्या विस्फोट ● गरीबी और महँगाई ● घोर भ्रष्टाचार	10
		अथवा	
		यदि मैं एक दिन के लिए प्रधानाचार्य बनूँ : ● शिक्षा का प्रचार और प्रसार करना ● छात्रों और अध्यापकों के लिए आदर्श स्थापित करना ● देश के लिए श्रेष्ठ नागरिकों का निमार्ण करना	10
		अथवा	
		सच्चा मित्र : ● सच्चा मित्र ● मार्गदर्शक	10

		• विपत्ति में सहायक	
	15	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विज्ञान विषय के चयन तथा उसकी अनेक क्षेत्रों में संभावना पर विचार करते हुए छोटी बहन को पत्र लिखिए।	5
	16	**निम्नलिखित गद्यांश का सार एक तिहाई शब्दों में लिखिए।** शिक्षण संस्थाओं में नैतिक शिक्षा देने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में मानवीय प्रेम से सम्बन्धित भावनाओं का विकास करते हुए उनमें भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान उत्पन्न करता है जिससे वे अपनी सांस्कृतिक सम्पदा की रक्षा कर सकें। इससे उसके मन में, समाज एवं देश के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है तथा उनके मन में प्रकृति के प्रति प्रेम उत्पन्न होता है। जब उनमें नैतिक गुणों का विकास होगा तो वे विश्व-बन्धुत्व के भाव से युक्त होकर साम्प्रदायिक भावनाओं को त्याग कर साम्प्रदायिक सद्भाव से युक्त होकर नैतिक एवं आध्यात्मिक गुणों का विकास करेंगे। इससे उनमें चारित्रिक दृढ़ता आती है तथा वे राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सद्भाव को बढ़ान में सहायक सिद्ध होते हैं।	5
		-o0o0o0o-	